

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनोंक 20–24 मार्च, 2021

आज दिनोंक 20 मार्च 2021 को सरदार वल्लभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के विकास निधि अन्तर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण द्वारा जैविक खेती के लिए किसानों को जैविक प्रतिनिधियों के उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनोंक 20–24 मार्च, 2021 का शुभारम्भ डा० एन० एस० राना, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डा० राजवीर सिंह अधिष्ठाता पशुचिकित्सा महाविद्यालय, विभागध्यक्ष कीट विज्ञान द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर डा० एन०एस० राना ने बताया है कि कृषि विश्वविद्यालय में इन्टर पास छात्र एवं छात्राओं के प्रवेश हेतु फार्म भरे जा रहे हैं। किसान भाइयों को अपने बच्चों का प्रवेश विश्वविद्यालय में कराकर उच्च शिक्षा देनी चाहिए। अधिष्ठाता (पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान, महाविद्यालय) अपने संवोधन में किसानों प्रशिक्षण से लाभ उठाने व अन्य उपयोगी जानकारी देने के साथ –साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता भी की। कार्यक्रम का संचालन डा० डी०वी० सिंह प्राध्यापक कीट विज्ञान द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे डा० राजेन्द्र सिंह, आयोजक ने किसानों को विस्तृत जानकारी दी। जिसमें मेरठ आस-पास के गाँव जैसे सिवाया, पावली खास, कनोडा, अन्दावली, दशरथपुर, भराला, मटौर, वलीदपुर, सकौती, जलालपुर, एवं खनौदा आदि गाँव के 50 किसानों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम माननीय कुलपति डा० आर० के० मित्तल, जी, के दिशा निर्देशन में चल रहा है। इस अवसर पर डा० डी० एन० मिश्रा, डा० गजे सिंह, डा० डी० वी० सिंह, डा० हेम सिंह, डा० वी०पी० ध्यानी, डा० विवेक धामा, डा० रश्मी इत्यादि मौजूद रहे। डा० गजे सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर आयोजक डा० राजेन्द्र सिंह व डा० डी० वी० सिंह ने कुलपति जी द्वारा दिये गये मार्ग दर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया। डा० डी० एन० मिश्रा ने माननीय कुलपति जी द्वारा दिये जा रहे दिशा निर्देशन व सहयोग की सराहना की। इस प्रशिक्षण के दौरान डा० गजे सिंह द्वारा गन्ने के प्रमुख कीटों एवं उनके प्रबन्धन पर विस्तृत चर्चा की। डा० डी०एन० मिश्रा द्वारा किसानों को हानिकारक कीटों एवं उनके प्रबन्धन पर विस्तार से बताया एवं डा० राजेन्द्र जैविक नियंत्रण में जैविक प्रतिनिधियों के उपयोग बारे में विस्तार से बताया।



